हरियाणा राज भवन,
चण्डीगढ़ - 160019

HARYANA RAJ BHAVAN,
CHANDIGARH - 160019
क्रमांक– HRB/PRO-MSG/2025-90
दिनांक– 21 जुलाई, 2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि वन विभाग, हरियाणा राज्य में 76वां वन महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मना रहा है। प्रकृति के सभी आयाम, जिसमें वनों का अत्यधिक महत्व है, हमारी संस्कृति के साथ अनादिकाल से रचे–बसे हैं। भारतीय संस्कृति वास्तव में 'अरण्य–संस्कृति' है जिसमें वन, नदियां, पहाड़ और इनमें बसने वाले सभी जीव–जन्तु के साथ स्वयं मनुष्य भी शामिल है। पीपल, तुलसी, नीम, बरगद, पारिजात एवं शमी आदि वृक्षों की हम सदा से देव तुल्य मानकर पूजा करते आएं हैं।

हरियाणा राज्य पेड़ पौधों एवं वन्य जीवों की जैव विविधता के क्षेत्र में काफी समृद्ध है। भारत मां के मुकुट के रूप में शुशोभित हिमालय की शिवालिक पहाड़ियां व विश्व की प्राचीनतम पर्वत मालाओं में एक अरावली पर्वत माला दुर्लभ हरियाली व जड़ी–बूटियां संजोए हुए इसी राज्य में स्थित है। राज्य के किसानों के साथ कई दशकों से काम करते हुए वन विभाग ने कृषि–वानिकी के क्षेत्र में देश में एक मुकाम हासिल किया है।

राज्य में वन एवं वन्य जीवन संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। पिन्जौर स्थित गिद्ध प्रजनन केन्द्र, जिसने हरियाणा राज्य को वन्य जीवन संरक्षण के क्षेत्र में विश्व मानचित्र पर स्थापित कर दिया है, वहीं इस केन्द्र द्वारा अन्य राज्यों को भी समुचित तकनीकी सहायता दी जा रही है। हरियाणा राज्य का जनमानस स्वभावतः प्रकृति एवं वृक्ष प्रेमी रहा है। वृक्षारोपण के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' योजना के आवाहन पर हरियाणा सरकार ने विभिन्न विभागों, संस्थाओं एवं आमजन को निःशुल्क पौधें उपलब्ध करवाकर अपनी जनहितैषी नीतियों का परिचय दिया है।

मैं पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य के लिए हरियाणा सरकार एवं वन विभाग की सराहना करता हूं और 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव की सफलता की कामना करता हूं।

असीम कुमार घोष

(प्रोफेसर असीम कुमार घोष)

EPABX 0172 - 2740581, 2740583 FAX - 0172 -2740557 E-mail : governor@hry.nic.in

नायब सिंह
NAYAB SINGH

सत्यमेव जयते

मुख्य मन्त्री, हरियाणा,
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA,
CHANDIGARH

Dated 18-07-2025

संदेश

बड़े हर्ष का विषय है कि हरियाणा प्रदेश में 76वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। मानसून के दौरान पौधारोपण का यह पावन उत्सव आम जन–जीवन को वनों के महत्व के बारे में जागरूक करने एवं बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने के लिए प्रतिवर्ष मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति में मनीषियों ने युगों–युगों से वृक्षों की महिमा गाई है। वैज्ञानिक रूप से भी सदियों पहले हम यह जान सके हैं कि वृक्षों एवं वनस्पतियों में फैली हरियाली के कारण ही इस ग्रह पर जीवन संभव है। वन, धरती मां के हरे फेफड़े हैं, जो पर्यावरण को स्वस्थ, साफ व संतुलित रखकर मौसम को अनुकूल बनाते हैं। ये प्रदूषण के जहर को पीकर हमें शुद्ध हवा देते हैं।

जनसंख्या वृद्धि, बेतरतीब विकास तथा अनियंत्रित प्रदूषण के कारण हमारे पर्यावरण पर बुरा प्रभाव पड़ा है। हरियाणा सरकार लोगों को स्वच्छ एवं निर्मल वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर है।

इस वर्ष हरियाणा में 2.10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत सजावटी, छायादार, ईमारती लकड़ी, चारे एवं सुगंधित प्रजाति के पौधे तैयार किए गए हैं, जिन्हें सार्वजनिक स्थानों पर लगाकर पर्यावरण सुधार की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। राज्य के किसानों के खेतों में भी उन्नत किस्म के पौधे लगवाए जाएंगे, जिससे पर्यावरण सुधार के साथ–साथ किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी।

पौधारोपण के साथ–साथ वन विभाग द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। राज्य की वन भूमि, विशेषकर शिवालिक की पहाड़ियों में पिछले वर्षों में बनाई गई जल संरक्षण संरचनाओं के नवीनीकरण के साथ–साथ नई संरचनाएं भी बनाई जा रही हैं। 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'पौधागिरी' जैसी योजनाएं सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं, ताकि राज्य के वन क्षेत्र में कोई कमी न आए।

मेरा हरियाणावासियों से अनुरोध है कि इस वर्षा ऋतु में अपने घर–आंगन, खेत–खलिहान व जहां भी संभव हो, अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाएं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

मैं 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के लिए सभी हरियाणावासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

(नायब सिंह)

राव नरबीर सिंह
Rao Narbir Singh

हरियाणा सरकार

D.O. No. 24/2025
उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन और वन्यजीव, विदेशी सहकारिता, सैनिक तथा अर्ध सैनिक कल्याण मंत्री हरियाणा।
Industries & Commerce Environment, Forests & Wild Life, Foreign Cooperation and Sainik & Ardh Sainik welfare Minister Haryana

Dated, Chandigarh 18.07.2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि हरियाणा वन विभाग द्वारा 76वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव पूरे उत्साह और जनसहभागिता के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने का एक पवित्र अवसर है।

भारतीय जीवन दर्शन में वृक्षों को सदा से पूजनीय स्थान प्राप्त रहा है। हमने वृक्षों को केवल जीवनदाता ही नहीं माना, बल्कि उन्हें देवत्व के रूप में प्रतिष्ठित किया है। पीपल, तुलसी, नीम जैसे वृक्ष हमारे धार्मिक और सामाजिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। हमारी परंपरा में यह भाव निहित है कि वृक्षों को बिना कारण न काटा जाए, और सूर्योदय से पहले या सूर्यास्त के बाद उनके पत्ते-फूल भी न तोड़े जाएं। यह हमारी पर्यावरणीय चेतना का प्रमाण है।

इस वर्ष वन महोत्सव के दौरान 2.10 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा है। इसके लिए वन विभाग ने राज्यभर की पौधशालाओं में विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार किए हैं जिन्हें वन भूमि, पंचायत भूमि, संस्थागत परिसरों एवं कृषि भूमि में लगाया जाएगा। खास बात यह है कि कृषि वानिकी को प्रोत्साहित करते हुए किसानों को उन्नत किस्म की प्रजातियों के पौधे उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में भी वृद्धि होगी। इससे राज्य में काष्ठ-आधारित उद्योगों को भी गति मिलेगी और हरियाणा हरित राज्य की ओर अग्रसर होगा।

हरियाणा सरकार ने 75 वर्ष से अधिक आयु के पेड़ों को प्राण वायु देवता के रूप में मान्यता देते हुए इनकी देखभाल करने वाले व्यक्तियों को वार्षिक पेंशन देने की योजना लागू की है। शहरी क्षेत्रों में आक्सी—वन को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में वन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की है।

वन मंत्री होने के नाते मैं समस्त हरियाणा वासियों, शिक्षकों, छात्रों, सामाजिक संगठनों एवं पर्यावरण प्रेमियों से विनम्र आग्रह करता हूं कि वे इस पवित्र अभियान में सहभागी बनें और न केवल पौधारोपण करें, बल्कि लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण भी सुनिश्चित करें।

हम सब मिलकर एक हरित, स्वच्छ और स्वस्थ हरियाणा के निर्माण में अपना योगदान दें।

राव नरबीर सिंह

वर्ष 2025–26 में वन विभाग की गतिविधियां/उपलब्धियां

(हरित पर्यावरण की तरफ बढ़ते हरियाणा के कदम)

1. वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान वन विभाग द्वारा सरकारी वन भूमि, संस्थागत भूमि, पंचायत भूमि, मियावांकी पौधारोपण तथा निजी भूमि पर विभिन्न राज्य एवं केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के तहत कुल 2.10 करोड़ पौधों का पौधारोपण किया जाना प्रस्तावित है।
2. वन मित्र योजना के लिए ऑनलइन पंजीकरण 15 फरवरी 2024 से 27 मार्च 2024 तक खुला था। योजना के पात्रता मानदंडों के अनुसार लगभग 27,054 आवेदकों ने पोर्टल पर आनॅलाइन पंजीकरण कराया है।
3. सरकार द्वारा वर्ष 2023–24 से "प्राण वायु देवता" योजना प्रारम्भ की गई है। जिसके अंतर्गत 75 साल से ज्यादा पुराने वृक्षों की सुरक्षा की जायेगी और प्रत्येक वृक्ष के अभिरक्षक को वार्षिक पेंशन दी जाएगी। अभी तक 3819 वृक्षों के अभिरक्षकों को वर्ष 2023–24 की पैंशन 2750/– रूपये प्रति वृक्ष तथा वर्ष 2024–25 की पैंशन 3000/– रूपये प्रति वृक्ष राशि उनके खातों में स्थानान्तरित की जा चुकी है।
4. प्रदेश में इको–टूरिज्म गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इको–टूरिज्म पॉलिसी अधिसूचित की जा चुकी है।
5. शिवालिक और अरावली की पहाड़ियों में सिंचाई हेतु नई जल संचयन संरचनाएं बनाई गई हैं तथा मिट्टी और नमी संरक्षण के कार्य किए गये हैं ताकि भूमि कटाव को कम किया जा सके तथा उप–मृदा जल को संरक्षित किया जा सके।
6. अमृत सरोवर अभियान के अन्तर्गत 2200 तलाबों मे पीपल, बढ़, नीम इत्यादि पौधों का पौधारोपण किया गया।